Toppersnotes
Unleash the topper in you

UPTET

UTTAR PRADESH BASIC EDUCATION BOARD

उ.प्र. शिक्षक पात्रता परीक्षा

उच्च प्राथमिक स्तर (कला वर्ग)

भाग-1

बाल विकास एवं शिक्षण विधि

SIERRA INNOVATIONS

विषय सूची

1. शिक्षा मनोविज्ञान	1
2. अधिगम (सीखना)	6
3. बाल विकास	18
4. व्यक्तित्व	27
5. बुद्धि	40
6. अभिप्रेरणा	43
7. व्यक्तिगत विभिन्नता	47
8. **Trick** – बुद्धि के सिद्धान्त	53
बाल विकास	54
9. समाजीकरण	59
10. **One Liner Question**	61
11. **Psychology** की **Book** और उनके लेखक	80
12. मनोविज्ञान के सिद्धान्त व प्रतिपादक	83
13. शिक्षण विधियाँ	87

Toppersnotes
Unleash the topper in you

Unit -5

व्यक्तित्व

फारिश के अनुसार - व्यक्तित्व संस्कृति का वैयक्तिक पक्ष है।

वुडवर्थ के अनुसार - व्यक्ति के व्यवहार का समूचा सार ही उसका व्यक्तित्व होता है।

मन के अनुसार - व्यक्तित्व एक व्यक्ति के गठन, व्यवहार के तरीकों, रुचियों, दृष्टिकोण, क्षमताओं और तरीको का सबसे विशिष्ट संगठन है।

रैक्स के अनुसार - व्यक्तित्व समाज द्वारा मान्य तथा अमान्य गुणों का संगठन है।

आलपोर्ट के अनुसार - व्यक्तित्व व्यक्ति के भीतर उन मनोदैहिक गुणों का गत्यात्मक संगठन है जो परिवेश के प्रति होने वाले उसके अपूर्व अभियोजनों का निर्णय करते हैं।

मार्टन प्रिंस के अनुसार - व्यक्तित्व समस्त शारीरिक तथा अर्जित वृत्तियों का योग है।

गुथरी के अनुसार - व्यक्तित्व की परिभाषा सामाजिक महत्व की उन आदतों तथा आदत संस्थानों के रूप में की जा सकती है जो स्थिर तथा परिवर्तन के अवरोध वाली होती है।

वाटसन के अनुसार - हम जो कुछ करते हैं वही व्यक्तित्व है।

बिग एवं हण्ट - व्यक्तित्व एक व्यक्ति के सम्पूर्ण व्यवहार प्रतिमान और विशेषताओं के योग का उल्लेख करता है।

Toppersnotes
Unleash the topper in you

कैटल के अनुसार – व्यक्तित्व वह है जिसके द्वारा हम भविष्यवाणी कर सकते हैं कि कोई व्यक्ति किस परिस्थिति में कैसा कार्य करेगा या क्या करेगा।

व्यक्तित्व का वर्गीकरण

I. पाश्चात्य दृष्टिकोण :–

(1) क्रेश्मर / क्रेचमर के अनुसार :– क्रेचमर ने शारीरिक संरचना के आधार पर व्यक्तित्व का पहला वर्गीकरण किया जिसके 4 प्रकार बताए।

(1) स्थूलकाय (पिकनिक) – नाटे व्यक्ति
(2) सुडौलकाय (एथलेटिक) – खिलाड़ी प्रवृत्ति
(3) क्षीणकाय (एस्थेनिक) – दुर्बल शरीर वाले
(4) मिश्रितकाय (डिस्प्लास्टिक) – मिले-जुले

(2) शेल्डन के अनुसार :–

शारीरिक संरचना के आधार पर

(1) गोलाकार (एंडोमॉर्फिक) – शारीरिक सन्तुलन, फुर्तीला
(2) आयताकार (मीसोमॉर्फिक) – आक्रामक, शक्तिशाली, क्रियाशील
(3) लम्बाकार (एक्टोमॉर्फिक) – संवेदनशील, शक्तिहीन, बौद्धिक

स्वभाव के आधार पर –

(1) विसेरोटॉनिक
(2) सोमेटोटॉनिक
(3) सेरिब्रोटॉनिक

(3) विलियम जेम्स के अनुसार –

(1) कोमल हृदय वाले – बुद्धिजीवी, आशावादी, आस्तिक तथा पूर्वाग्रही
(2) कठोर हृदय वाले – भौतिकवादी, निराशावादी, अधार्मिक तथा संशयवादी

(4) न्यूमैन तथा स्टर्न के अनुसार –

(1) विश्लेषणात्मक (2) संश्लेषणात्मक

(5) युंग या जुंग के अनुसार –

- युंग द्वारा किया गया वर्गीकरण सबसे प्रसिद्ध माना जाता है।
- इन्होंने मनोवैज्ञानिक आधार पर व्यक्तित्व के तीन प्रकार बताए।

① अन्तर्मुखी व्यक्तित्व – एकान्तप्रिय, विचारशील, लेखक बनने की योग्यता रखता हो

② बहिर्मुखी व्यक्तित्व – शिक्षक व नेता बनने की योग्यता रखता हो।

③ उभयमुखी – इसमें अन्तर्मुखी व बहिर्मुखी दोनों प्रकार के व्यक्तित्व के गुण पाए जाते हैं।

[2.] भारतीय दृष्टिकोण :-

(1) सतोगुणी (2) रजोगुणी (3) तमोगुणी

[3.] आधुनिक दृष्टिकोण :-

(1) भावुक (2) कर्मशील (3) विचारशील

व्यक्तित्व विकास को प्रभावित करने वाले कारक :-

1) वंशानुक्रम
2) वातावरण
3) शारीरिक संरचना का प्रभाव
4) मानसिक योग्यता का प्रभाव
5) विशिष्ट रुचि का प्रभाव
6) सांस्कृतिक वातावरण
7) परिवार व विद्यालय का वातावरण

मनोविश्लेषणात्मक सिद्धान्त

प्रतिपादन – सिगमंड फ्रायड

निवासी – आस्ट्रिया (वियना)

सिगमंड फ्रायड ने मन की तीन दशाएँ बतायी हैं।

(1) चेतन मन $\frac{1}{10}$ – मस्तिष्क की जागृत अवस्था

(2) अचेतन मन $\frac{9}{10}$ – दमित इच्छाओं का भण्डार

(3) अर्द्धचेतन मन 00 – चेतन व अचेतन के बीच की अवस्था।

Toppersnotes
Unleash the topper in you

सिगमंड फ्रायड के व्यक्तित्व संरचना की दृष्टि से तीन अवस्थाएँ बताई हैं।

1. Id (इदम) — सुखवादी सिद्धान्त पर आधारित, पशु प्रवृत्ति का, अचेतन मन का राजा।

2. Ego (अहम्) — वास्तविक सिद्धान्त पर आधारित, चेतन मन का स्वामी।

3. Super ego (पराअहम्) — आदर्शवादी सिद्धान्त पर आधारित

Note ⇒ स्वमोह (नार्सीजिज्म): एक बालक की कहानी द्वारा समझना।

सिगमंड फ्रायड के अनुसार लड़कों में ऑडिपस ग्रंथि पाई जाती है जिसके कारण वे अपनी माँ से अधिक प्रेम करते हैं।

लड़कियों में एलेक्ट्रा ग्रंथि पाए जाने के कारण वे अपने पिता से अधिक प्रेम करती हैं।

लिबिडो (Libido) — प्रेम, स्नेह व काम प्रवृत्ति को लिबिडो कहते हैं।

शैशव कामुकता — इसकी बात पर सिगमंड फ्रायड व उनके शिष्य जुंग के मध्य मतभेद हो जाता है।

मतभेद के बाद जुंग/युंग ने एक अपना सिद्धान्त प्रतिपादित किया जिसका नाम विश्लेषणात्मक सिद्धान्त है।

Toppersnotes
Unleash the topper in you

व्यक्तित्व मापन की विधियाँ

(1) प्रक्षेपण विधियाँ

(2) अप्रक्षेपी विधियाँ — आत्मनिष्ठ या व्यक्ति निष्ठ
— वस्तुनिष्ठ विधि

(I) प्रक्षेपण विधियाँ :-

इसका अर्थ अपनी बातों, विचारों, भावनाओं, अनुभवों आदि को स्वयं न बताकर किसी अन्य उद्दीपक या पदार्थ के माध्यम से अभिव्यक्त करना। अचेतन मन का अध्ययन।

(i) T.A.T. (Thematic Apperception Test) :-

प्रासंगिक अन्तर्बोध परीक्षण या कथा प्रसंग परीक्षण

प्रतिपादक – मार्गन व मुर्रे, सन् - 1935

कुल कार्डों की संख्या – 30 + 1 = 31

चित्रों से सम्बन्धित कार्ड - 30

खाली कार्ड – 1

- इस परीक्षण में 10 कार्डों पर पुरुषों से सम्बन्धित व 10 कार्डों पर महिलाओं से सम्बन्धित व 10 कार्डों पर दोनों के चित्र बने होते हैं।
- बालकों को चित्र दिखाकर कहानी लिखने को कहा जाता है।
- यह परीक्षण व्यक्तिगत व सामूहिक दोनों रूपों में हो सकता है।

Toppersnotes
Unleash the topper in you

इस परीक्षण से 14 वर्ष से अधिक आयु वाले बालकों के लिए प्रयोग किया जाता है।
इसमें व्यक्ति की रुचियाँ, इच्छाओं व आवश्यकताओं की जानकारी होती है।

(ii) C.A.T. (Children Apperception Test):
बाल सम प्रत्यक्ष परीक्षण

प्रतिपादक – लियोपोल्ड बेलोक (1948)

विकास में योगदान – डॉ॰ अरनेस्ट क्रिस

कार्डों की संख्या – 10

- इस परीक्षण में 10 कार्डों पर जानवरों के चित्र बने होते हैं। बालकों को चित्र दिखाकर कहानी लिखने को कहा जाता है। यह परीक्षण 3 से 11 वर्ष के बालकों के लिए उपयोगी है।

(iii) I.B.T. (Ink Blot Test):
रोर्शा स्याही धब्बा परीक्षण

प्रतिपादक – हरमन रोर्शा (1921)
कार्डों की सं. – 10

- इस परीक्षण में 10 कार्डों पर स्याही के धब्बे बने होते हैं।
5 कार्डों पर काले व सफेद तथा बाकी पाँच पर विभिन्न रंगों के धब्बे बने होते हैं।
- बालकों को आकृति दिखाकर उनके बारे में पूछा जाता है।
- इसमें बालकों के क्रियात्मक, भावात्मक व संज्ञानात्मक परीक्षण किए जाते हैं।

Toppersnotes
Unleash the topper in you

(iv) S.C.T. (Sentence Complant Test) :-
वाक्य पूर्ति

प्रतिपादक – पाइन एण्ड टैण्डलर (1930)
विकास में योगदान – रोटर्स
उदाहरण – मैं बहुत खुश होता हूँ जब मेरे माता पिता मुझे – देते हैं।

(v) स्वतन्त्र शब्द साहचर्य परीक्षण (F.W.A.T.) :-
– यह एक मनोविश्लेषणात्मक विधि है।
प्रतिपादक – फ्रांसिस गाल्टन
सन् – 1879
सहयोग – विलियम वुण्ट
Note – इस परीक्षण से कई मनोवैज्ञानिक रोगों का इलाज भी किया जाता है।

(2) अप्रक्षेपी विधियाँ – चेतन मन का अध्ययन

(I) आत्मनिष्ठ या व्यक्तिनिष्ठ :-

(i) आत्मकथा या अन्तर्दर्शन विधि :-
प्रवर्तक – विलियम वुण्ट व शिष्य टिचनर

(ii) व्यक्तिगत इतिहास विधि/जीवन वृत विधि/केश स्टडी :-
प्रवर्तक – टाइडमैन
– निदानात्मक अध्ययनों की सर्वश्रेष्ठ विधि है। असामान्य बालकों के निदान की सर्वश्रेष्ठ विधि है।

(iii) प्रश्नावली विधि –
प्रवर्तक – वुडवर्थ

(iv) साक्षात्कार विधि

Toppersnotes
Unleash the topper in you

(ख) वस्तुनिष्ठ विधियाँ :-

(i) निरीक्षण विधि या बहिर्दर्शन विधि :-
प्रवर्तक वाटसन

(ii) समाजमिति विधि :-
प्रवर्तक - J. L. मोरेनो

(iii) कर्म निर्धारण मापनी / रेटिंग स्केल :-
प्रतिपादक - थर्स्टन

(iv) शारीरिक परीक्षण

समायोजन

(1) बोरिंग, लैंगफील्ड एवं बेल्ड के अनुसार,— समायोजन वह प्रक्रिया है जिसके द्वारा प्राणी अपनी आवश्यकताओं और इन आवश्यकताओं की पूर्ति को प्रभावित करने वाली परिस्थितियों में संतुलन रखता है।

(2) गेट्स व अन्य के शब्दों में — समायोजन निरन्तर चलने वाली प्रक्रिया है जिसके द्वारा व्यक्ति अपने और अपने वातावरण के बीच सन्तुलित सम्बन्ध रखने के लिए अपने व्यवहार में परिवर्तन करता है।

3) स्किनर — "समायोजन एक अधिगम प्रक्रिया है।"

4) एडलर के अनुसार — (i) श्रेष्ठता प्राप्ति ही समायोजन का आधार है।
(ii) स्वप्न चेतन मन का स्वरूप है।

(5) युंग के अनुसार — स्वप्न अचेतन, चेतन व अर्द्ध चेतन तीनों का प्रतिरूप है।

समायोजन के प्रतिमान :

सिगमंड फ्रायड के अनुसार –

(i) अचेतन मन समायोजन का आधार है।
(ii) Ego, अहम् अवस्था समायोजन का आधार है।
(iii) Libido प्रवृत्ति समायोजन का आधार है।

Unit - 5

बुद्धि (Intelligence)

(1) टर्मन के अनुसार – "बुद्धि अमूर्त विचारों के बारे में सोचने की योग्यता है।"

(2) बकिंघम के अनुसार – सीखने की योग्यता ही बुद्धि है।

(3) वुडवर्थ के अनुसार – बुद्धि कार्य करने की एक विधि है।

(4) मन के अनुसार – नवीन परिस्थितियों को झेलने की मस्तिष्क की नमनीयता ही बुद्धि है।

(5) स्टर्न के अनुसार – बुद्धि व्यक्ति की वह सामान्य योग्यता है जिसके द्वारा वह सचेत रूप से नवीन आवश्यकताओं के अनुसार चिन्तन करता है।

इस तरह जीवन की नई समस्याओं एवं स्थितियों के अनुसार अपने आपको ढालने की सामान्य मानसिक योग्यता 'बुद्धि' है।

Toppersnotes
Unleash the topper in you

6) रायबर्न के अनुसार — बुद्धि वह शक्ति है जो हमें समस्याओं का समाधान करने और उद्देश्यों को प्राप्त करने की क्षमता देती है।

7) वुडरो के अनुसार — बुद्धि ज्ञान का अर्जन करने की क्षमता है।

8) हेनमॉन के अनुसार — बुद्धि में दो तत्व होते है —
(1) ज्ञान की क्षमता (2) निहित ज्ञान

9) थार्नडाइक — सत्य या तथ्य के दृष्टिकोण से उत्तम प्रतिक्रियाओं की शक्ति ही बुद्धि है।

10) कॉलविन के अनुसार — यदि व्यक्ति ने अपने वातावरण से सामंजस्य करना सीख लिया है या सीख सकता है तो उसमें बुद्धि है।

बुद्धि के प्रकार —

थार्नडाइक व गेरेट के अनुसार 3 प्रकार की बुद्धि होती है।

1) मूर्त बुद्धि
2) अमूर्त बुद्धि
3) सामाजिक बुद्धि

बुद्धि के सिद्धान्त

1) एक तत्व सिद्धान्त — (सन् 1911 में)
प्रतिपादक — अल्फ्रेड बिने
सहयोगी — टर्मन व स्टर्न
- इसे निरंकुशवादी सिद्धान्त भी कहते हैं।

Toppersnotes
Unleash the topper in you

(2) द्वितत्व सिद्धान्त –

प्रवर्तक – स्पीयर मैन

⇒ उनके अनुसार बुद्धि में दो कारक हैं –

1) सामान्य तत्व – G कारक
2) विशिष्ट तत्व – S कारक

– बाद में स्पीयमैन ने एक और तत्व समूह तत्व जोड़ दिया और सिद्धान्त द्वितत्व कहलाया।

(3) बहुतत्व सिद्धान्त –

प्रतिपादक – थार्नडाइक (U.S.A.)

– थार्नडाइक ने अपने सिद्धान्त की तुलना बालू के ढेर से करते हुए ऊँचाई, चौड़ाई, क्षेत्र व गति की चर्चा की है इसलिए इस सिद्धान्त को बालू का सिद्धान्त भी कहते हैं।

बालू का सिद्धान्त – (माता सिद्धान्त) ~~परमाणु~~ परमाणुवादी सिद्धान्त

(4) समूह तत्व सिद्धान्त –

प्रवर्तक – थर्स्टन (U.S.A.)
पुस्तक – Primary Mental Ability

इन्होंने कुल 13 तत्व बताए इनमें से 7 तत्वों का प्रमुख तत्व बताया।

उपनाम : प्राथमिक मानसिक योग्यता सिद्धान्त

1) Special Ability – S
2) Number Ability – N
3) Verbal Ability – V
4) Word Ability – W
5) Memory Ability – M
6) Reasoning Ability – R
7) Peraptual Ability – P

(5) प्रतिदर्श का सिद्धान्त –

प्रवर्तक - थॉमसन (U.S.A)

उपनाम - नमूना सिद्धान्त

(6) त्रिआयाम सिद्धान्त (गिलफोर्ड का सिद्धान्त) –

प्रतिपादक – गिलफोर्ड

पद - 3

पद :–

i) संक्रिया / प्रक्रिया

ii) विषय वस्तु / अन्तर्वस्तु

iii) उत्पादन / परिणाम

अन्य सिद्धान्त :–

(i) तरल ठोस बुद्धि सिद्धान्त – कैटल

(ii) विकासात्मक सिद्धान्त – जीन पियाजे

(iii) बुद्धि का (क) व (ख) का सिद्धान्त – हैब

(iv) लेवल 1 व लेवल 2 सिद्धान्त – जॉनसन

(v) पदानुक्रमिक सिद्धान्त – बर्ट व टर्मन

बुद्धि मापन के सोपान :–

1) वास्तविक आयु – Chronological Age = C.A.

2) मानसिक आयु – Mental Age = M.A.

3) बुद्धि लब्धि – Intelligence Quotient = I.Q.

Toppersnotes
Unleash the topper in you

बुद्धि का इतिहास :-

- मानसिक परीक्षण शब्द का सर्वप्रथम प्रयोग कैटल ने किया।
- मानसिक आयु शब्द का सबसे पहले प्रयोग अल्फ्रेड बिने ने 1908 में किया।
- टर्मन ने मानसिक आयु के बदले बुद्धि लब्धि की विधि खोजी और सूत्र निकाला। जैसे –

$$\text{बुद्धि लब्धि I.Q.} = \frac{\text{मानसिक आयु (M.A.)}}{\text{वास्तविक आयु (C.A.)}} \times 100$$

बुद्धि का विभाजन – 'टर्मन' तथा 'मैरिल' ने बुद्धि का विभाजन अपने एक सर्वेक्षण के आधार पर किया तथा बुद्धि विभाजन निम्नलिखित रूप में प्रस्तुत किया।

बुद्धि लब्धि प्रसार	विवरण
140 से ऊपर	प्रतिभावान
130 – 139	बहुत अच्छे
120 – 129	अच्छे
110 – 119	प्रखर
100 – 109	उच्च सामान्य
90 – 99	निम्न सामान्य
80 – 89	मन्द बुद्धि
70 – 79	हीन
60 – 60	जड़